†[मौलाना एम० फारूकी : क्या इस किस्म का कोई मुआहिदा यू० एस० एस० आर० से भी हो रहा है ?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, यह स्कीम तो यूनेस्को के द्वारा है ।

DR. D. H. VARIAVA: Will the Minister let me know who pays the salaries of these experts?

DR. K. L. SHRIMALI: The salaries are paid by the UNESCO.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Are these experts sent at the request of the receiving country or at the suggestion of the aiding country?

DR. K. L. SHRIMALI: At the request of our country.

SHRI JASWANT SINGH: Will the equipments come from any one country only or from a number of countries?

DR. K. L. SHRIMALI: I should need notice.

♦81. *[Postponed to the Ith May,* 1956.]

♦82, 83 and 84. [For Answers, vide *cals.* 811-816 infra.]

गंगटौक में पुस्तकालय व गवेषणा की संयुक्त संस्था

*८५. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गंगटौक में पुस्तकालय व गवेषणा की संयुक्त संस्था के स्थापन के लिये सरकार ने कितना अनुदान दिया है ; और

(ख) क्या वहां कुछ साहित्य तथा विद्वानों को भी भेजने का विचार है ?

†*Hindi transliteration.*

t [LIBRARY-CUM-RESEARCH INSTITUTE AT GANGTOK.

*85. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) the amount of grant given by Government towards the establishment of a Library-cum-Research Institute at Gangtok; and

(b) whether it is also proposed to send some literature and scholars there?]

शिक्षा उप मंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली) : (क) एक लाख रुपये ।

(ख) नहीं ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) Rs. one lakh.

(b) No.

श्री नवाब सिंह चौहान : यह जो पुस्तकालय और गवेषणालय चल रहा है, यह किस के तत्वावधान में चल रहा है और हमारे भारत सरकार की उस में क्या जिम्मेदारी है ? क्या वह भी इस जिम्मेदारी में हिस्सा बटा रही है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : सिक्किम दरबार में एक दर्खास्त की थी कि वे एक लाइब्रेरी -कम-रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित करना चाहते हैं तिब्बतोलोजी विषय पर, और हमने उस पर गौर किया । उन्होंने एक स्कीम भेजी थी रिकरिंग और नान-रिकरिंग खर्च के लिये । लेकिन हमने सिर्फ यही तय किया कि हम दो लाख रुपये उसके लिये देंगे और उस के मुताबिक १९५५-५६ में एक लाख रुपया तो मंजूर हो चुका है और जो बाकी एक लाख रुपया है वह हम इस वर्ष में मंजूर करेंगे । लेकिन दो लाख रुपये से ज्यादा हम उसके लिये नहीं दे सकते ।

श्री नवाब सिंह चौहान : यह जो तिब्बतोलोजी है उस में किस बात के ऊपर रिसर्च करने की स्कीम है ?

†*English translation.*

डा० के० एल० श्रीमाली : विशेषकर जैसे तिब्बेटियन लिट्रेचर है, तिब्बेटियन थाट है, उस के बारे में अध्ययन किया जायगा ।

श्री नवाब सिंह चौहान : बुद्धीइज्म, यानी जो बौद्ध धर्म है, उस के सभी पहलुओं पर वहां अध्ययन किया जायगा या किस खास पहलू के ऊपर, जैसे हीनयान, महायान इत्यादि ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, तिब्बत का जितना भी साहित्य है उस के सम्बन्ध में गवेषणा और अध्ययन किया जायगा ।

डा० रघुबीर सिंह : संशोधक क्या क्या काम वहां करने वाले हैं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : उस की लिस्ट अभी मेरे पास नहीं है ।

डा० रघुबीर सिंह : सिक्किम में कितने संशोधकों का प्रबन्ध करने का विचार किया जा रहा है ?

डा० के० एल० श्रीमली . सिक्किम दरबार ने हमारे पास जो स्कीम भेजी थी उस में तजवीज थी कि इनिशियल कास्ट ४ लाख नान-रिकरिंग और ४७,००० रु० रिकरिंग खर्च लगेगा । लेकिन हमने केवल यह तय किया कि हम दो लाख देंगे, बाकी खर्चा वे उठायेंगे ।

श्री रघुबीर सिंह : मैं यह पूछ रहा था कि कितने व्यक्ति संशोधक के रूप में वहां काम कर सकेंगे, इस का क्या प्रबन्ध है । जो स्कीम उन्हों ने भेजी है उस में यह लिखा होगा कि इतने व्यक्ति काम करेंगे और उन का यह प्रबन्ध होगा । मैं व्यक्तियों की संख्या जानना चाहता हूं ।

डा० के० एल० श्रीमाली : उसे मैं अभी नहीं बतला सकता हूं ।

श्री बी० बी० शर्मा : क्या उसमें कुछ भारतीय संशोधक भी होंगे?

डा० के० एल० श्रीमाली : यह तो सिक्किम सरकार के ऊपर है ।

डा० रघुबीर सिंह : क्या यह संभावना है कि भारतीय संशोधकों को वहां आज्ञा दी जायेगी या उनको काम करने की सहुलियत होगी ?

डा० के० एल० श्रीमाली : मैंने निवेदन किया, जहां तक हमारा सम्बन्ध है हमने दो लाख रूपये देना स्वीकार कर लिया है । बाकी का जितना प्रबन्ध है वह सिक्किम सरकार करेगी ।

डा० रघुबीर सिंह : मेरा कहना है कि अगर हम ने रुपया दिया है तो हम यह जानना चाहते हैं कि भारतीय जनता या भारतीय विद्वान उससे किसी तरह लाभ उठा सकेंगे या नहीं और उसके वास्ते सिक्किम दरबार सहूलियत देने को तैयार है कि नहीं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस सारी स्कीम का मतलब यह है कि हमारा जो सांस्कृतिक सम्बन्ध है सिक्किम दरबार से या सिक्किम से, वह बढ़े और इसी दृष्टि से सहायता दी गई है। मझे आशा है कि स्कालर्स आदि जो हैं उन को सहायता मिलेगी ।

श्री बी० बी० शर्मा : क्या इस बात की कुछ जांच की गई है कि आया उसमें भारतीय लोगों को कुछ स्थान मिलेगा और भारतीय विद्वान वहां जा सकेंगे या नहीं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस के बारे में मैं कोई जवाब नहीं दे सकता ।

श्री बी० बी० शर्मा : तो क्या बिना सोचे विचारे यह रुपया दे दिया गया ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, स्कीम के बारे में अच्छी तरह सोच विचार हुआ है । हम चाहते हैं कि सिक्किम के साथ हमारा सांस्कृतिक सम्बन्ध बढ़े । और तिब्बत का जो साहित्य है उस को हम आगे बढ़ाना चाहते हैं । इस दृष्टि से सिक्किम दरबार ने जो स्कीम हमारे सामने रखी उस को हम ने अच्छा समझा और दो लाख रूपये की सहायता उनको दी ।